

गेंदे का फूल: सौंदर्य और उपयोगिता का बहुमुखी फूल

(केदार महादेव घेवारे¹, कृष्ण कौशिक², सौरव शर्मा¹ एवं रूपाली ठाकुर¹)

¹पीएच.डी. शोध छात्र, बागवानी और वानिकी संकाय, शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, जम्मू (जम्मू और कश्मीर), भारत

²पीएच.डी. शोध छात्र, बागवानी महाविद्यालय, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेरठ (उत्तर प्रदेश), भारत

*संवादी लेखक का ईमेल पता: kedar.gheware.1997@gmail.com

गेंदे का फूल, जिसे वैज्ञानिक रूप से *टैगेटस एरिक्टा* के नाम से जाना जाता है, अपने जीवंत रंगों, आसान खेती, और अनेक उपयोगों के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। यह फूल, जो अमेरिका का मूल निवासी है लेकिन अब वैश्विक स्तर पर उगाया जाता है, बगीचों, धार्मिक अनुष्ठानों और उद्योगों में व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। इसके चमकदार रंग, सुनहरे पीले से लेकर गहरे नारंगी तक, किसी भी वातावरण में गर्मजोशी और आकर्षण का संचार करते हैं। इस लेख में गेंदे के फूल की वनस्पति, खेती, उपयोग और महत्व का वर्णन किया गया है।



वनस्पति विवरण

गेंदे का फूल एस्ट्रेसिया परिवार से संबंधित है और इसमें लगभग 50 प्रजातियाँ शामिल हैं। इसकी सबसे सामान्य प्रजातियाँ निम्नलिखित हैं:

1. **अफ्रीकी गेंदा (*Tagetes erecta*)** टैगेटस इरेक्टा – इसके बड़े फूल और ऊँचे कद के लिए जाना जाता है।
2. **फ्रेंच गेंदा (*Tagetes patula*)** टैगेटस पटुला – छोटे, सघन पौधे और नाजुक फूल।
3. **सिग्नेट गेंदा (*Tagetes tenuifolia*)** टैगेटस टेनुइफोलिया – खाने योग्य फूल और सुगंधित पत्तियों के लिए प्रसिद्ध।

गेंदे के पौधे में पंखदार पत्तियाँ, सीधे तने और सुगंधित पत्तियाँ होती हैं। ये वार्षिक पौधे हैं, यानी अपनी जीवन चक्र को एक ही मौसम में पूरा कर लेते हैं।

खेती

गेंदे के फूल को उगाना आसान है और यह विभिन्न परिस्थितियों में अच्छी तरह से पनपता है। यह छोटे बगीचों और बड़े पैमाने पर खेती दोनों के लिए उपयुक्त है। इसकी खेती के मुख्य चरण इस प्रकार हैं:

1. **जलवायु और मिट्टी:** गेंदा गर्म जलवायु और पर्याप्त धूप को पसंद करता है। इसे जैविक पदार्थों से भरपूर, अच्छी तरह से जल निकासी वाली दोमट मिट्टी में उगाया जाता है। मिट्टी का पीएच 6.0-7.5 के बीच उपयुक्त होता है।
2. **प्रसारण:** गेंदा बीजों से उगाया जाता है, जो 5-7 दिनों में अंकुरित हो जाते हैं। रोपाई के लिए 3-4 सप्ताह में पौधे तैयार हो जाते हैं।
3. **रोपाई:** बीजों को बीज ट्रे में या सीधे मिट्टी में बोया जाता है। कॉम्पैक्ट किस्मों के लिए 20-30 सेमी और ऊँची किस्मों के लिए 40-50 सेमी की दूरी बनाए रखें।
4. **सिंचाई:** मध्यम मात्रा में पानी देना आवश्यक है। अधिक पानी देने से बचें क्योंकि यह जड़ सड़न का कारण बन सकता है।
5. **उर्वरक:** रोपाई के समय संतुलित उर्वरक डालें। फूल आने के समय दूसरा डोज देना स्वस्थ फूल सुनिश्चित करता है।
6. **कीट और रोग प्रबंधन:** आम समस्याओं में एफिड्स, मकड़ी के किड़े और पाउडरी फंफूदी जैसी बीमारियाँ शामिल हैं। जैविक या रासायनिक नियंत्रण का उपयोग आवश्यकता अनुसार करें।

उपयोग और लाभ

- सजावटी उपयोग:** गेंदा भूदृश्य, गमले के पौधों और पुष्प सजावट के लिए पसंदीदा फूल है। इसके चमकदार रंग और लंबे समय तक टिकने वाले फूल इसे सौंदर्य बढ़ाने के लिए आदर्श बनाते हैं।
- सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व:** कई संस्कृतियों में गेंदा शुभता का प्रतीक है और त्योहारों, शादियों और धार्मिक अनुष्ठानों में उपयोग किया जाता है। भारत में यह दिवाली, दशहरा और अन्य उत्सवों के दौरान प्रमुखता से उपयोग होता है।
- औषधीय गुण:** गेंदे की पंखुड़ियों में ल्यूटिन होता है, जो आँखों के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद एंटीऑक्सीडेंट है। इसके अलावा, इसमें सूजनरोधी और रोगाणुरोधी गुण भी होते हैं।
- औद्योगिक उपयोग:** गेंदे के अर्क का उपयोग रंगों, प्रसाधन सामग्री और पोल्ट्री फीड में प्राकृतिक रंग के रूप में किया जाता है।
- सहायक पौधारोपण:** गेंदे के पौधे सब्जी बागानों में सहायक पौधे के रूप में उत्कृष्ट हैं, क्योंकि उनकी गंध सूत्रकृमियों और अन्य कीटों को दूर भगाती है।

सतत कृषि में महत्व

गेंदा टिकाऊ कृषि पद्धतियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसे फसल चक्रीकरण और कीट प्रबंधन में रासायनिक निर्भरता को कम करने के लिए उपयोग किया जाता है, जिससे पर्यावरण स्वास्थ्य को बढ़ावा मिलता है।

निष्कर्ष

गेंदा केवल एक सजावटी फूल नहीं है; यह सौंदर्य, उपयोगिता और दृढ़ता का प्रतीक है। कृषि, उद्योग और संस्कृति में इसके विविध अनुप्रयोग इसके महत्व को दर्शाते हैं। चाहे आप एक बागवान हों, किसान हों, या फूलों के शौकीन हों, गेंदे को अपने जीवन का हिस्सा बनाकर आप रंग और अनगिनत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आइए, यह साधारण सा फूल दुनिया में आनंद और उद्देश्य फैलाना जारी रखें।